mercredi 20 mars 2013

HIN1B08b

(Compréhension de l'écrit)

Cours – 7

तीन सवाल :: अकबर बीरबल

महाराजा अकबर, बीरबल की हाज़िरजवाबी के बड़े कायल थे। उनकी इस बात से दरबार के अन्य मंत्री मन ही मन बहुत जलते थे। उनमें से एक मंत्री, जो महामंत्री का पद पाने का लोभी था, ने मन ही मन एक योजना बनायी। उसे मालूम था कि जब तक बीरबल दरबार में मुख्य सलाहकार के रूप में है उसकी यह इच्छा कभी पूरी नहीं हो सकती।

एक दिन दरबार में अकबर ने बीरबल की हाज़िरजवाबी की बहुत प्रशंसा की। यह सब सुनकर उस मंत्री को बहुत गुस्सा आया। उसने महाराज से कहा कि यदि बीरबल मेरे तीन सवालों का उत्तर सही-सही दे देता है तो मैं उसकी बुद्धिमता को स्वीकार कर लूँगा और यदि नहीं तो इससे यह सिद्ध होता है की वह महाराज का चापलूस है। अकबर को मालूम था कि बीरबल उसके सवालों का जवाब जरूर दे देगा इसलिये उन्होंने उस मंत्री की बात स्वीकार कर ली।

उस मंत्री के तीन सवाल थे -

१. आकाश में कितने तारे हैं ? २. धरती का केन्द्र कहाँ है ? ३. सारे संसार में कितने स्त्री और कितने पुरूष हैं ?

अकबर ने फौरन बीरबल से इन सवालों के जवाब देने के लिये कहा। और शर्त रखी कि यदि वह इनका उत्तर नहीं जानता है तो मुख्य सलाहकार का पद छोड़ने के लिये तैयार रहे।

बीरबल ने कहा, "तो सुनिये महाराज"।

पहला सवाल - बीरबल ने एक भेड़ मँगवायी। और कहा जितने बाल इस भेड़ के शरीर पर हैं आकाश में उतने ही तारे हैं। मेरे दोस्त, गिनकर तस्सली कर लो, बीरबल ने मंत्री की तरफ मुस्कुराते हुए कहा।

दूसरा सवाल - बीरबल ने ज़मीन पर कुछ लकीरें खिंची और कुछ हिसाब लगाया। फिर एक लोहे की छड़ मँगवायी गयी और उसे एक जगह गाड़ दिया और बीरबल ने महाराज से कहा, "महाराज बिल्कुल इसी जगह धरती का केन्द्र है, चाहे तो आप स्वयं जाँच लें।" महाराज बोले ठीक है अब तीसरे सवाल के बारे में कहो।

अब महाराज तीसरे सवाल का जवाब बड़ा मुश्किल है। क्योंकि इस दुनिया में कुछ लोग ऐसे हैं जो न तो स्त्री की श्रेणी में आते हैं और न ही पुरुषों की श्रेणी में। उनमें से कुछ लोग तो हमारे दरबार में भी उपस्थित हैं जैसे कि ये मंत्री जी। महाराज यदि आप इनको मौत के घाट उतरवा दें तो मैं स्त्री-पुरूष की सही सही संख्या बता सकता हूँ। अब मंत्री जी सवालों का जवाब छोड़कर थर-थर काँपने लगे और महाराज से बोले, "महाराज बस-बस मुझे मेरे सवालों का जवाब मिल गया। मैं बीरबल की बुद्धिमानी को मान गया हूँ।"

महाराज हमेशा की तरह बीरबल की तरफ पीठ करके हँसने लगे और इसी बीच वह मंत्री दरबार से खिसक लिया।

Vocabulaire

कायल होना être convaincu	अन्य autre	मंत्री-m ministre	जलना être jaloux	पद-m poste
लोभी cupide	योजना-f plan	मुख्य principal	सलाहकार-m conseiller	इच्छा-f volonté
प्रशंसा-f éloge	सही correcte	बुद्धिमता intelligence	स्वीकार accepter	सिद्ध prouvé
चापलूस-m flatteur	आकाश-m ciel	तारा-m astre	धरती-f terre	केन्द्र-m centre
स्त्री/पुरुष femme/homme	शर्त-f pari	मुख्य principal	भेड़-f mouton	मँगवाना faire venir
गिनना compter	तस्सली करना se rassurer	लकीर-f ligne	खींचना tirer	लोहा-m fer
छड़-f bâton	गाड़ना enfoncer	जाँचना examiner	श्रेणी-f catégorie	मौत-f mort
संख्या-f nombre	बताना divulguer	हमेशा toujours	पीठ-f dos	खिसकना glisser

Questions

Quel était le plan du ministre ?

Quel était le pari d'Akbar ?

Pourquoi les réponses de Birbal étaient intéressantes ?

Qu'impliquez la troisième réponse de Birbal ?